आधी रात को भी होगी छापेमारी

बिजली चोरों के खिलाफ दिल्ली पुलिस व बीएसईएस का सबसे बड़ा अभियान

- 3 माह में 500 बड़ी छापेमारियां की जाएंगी
- पुलिस कर रही है स्पॉट एफआईआर
- मौके से ही गिरफ्तार किए जा रहे हैं आरोपी

नई दिल्लीः 13 मई, 2014। बीएसईएस ने बिजली चोरों के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा अभियान छेड़ दिया है। इसके तहत, अब आधी रात को भी बिजली चोरों के घरों, दफ्तरों, फैक्ट्रियों और दुकानों पर छापेमारी की जाएगी। अगले तीन माह के दौरान 500 बड़ी छापेमारियां की जाएंगी।

बिजली कंपनियां अभी तक आमतौर पर रात के दौरान छापेमारी से परहेज कर रही थीं। लेकिन बिजली चोरों द्वारा बिजली चोरी के नए–नए तरीके अपनाने, और पकड़ में न आने से परेशान बिजली कंपनियों ने अब चौबीसों घंटे छापेमारी का अभियान चलाया है। यहां तक कि आधी रात और तड़के भी छापे मारे जाएंगे।

चूंकि छापेमारी के दौरान दिन में भी कई बार बीएसईएस की एन्फोर्समेंट टीम पर हमले हुए हैं, इसलिए छापेमारी में दिल्ली पुलिस की भी मदद ली जा रही है। दिल्ली पुलिस भी बिजली चोरी को गंभीरता से लेते हुए स्पॉट एफआईआर कर रही है, और मौके से ही आरोपियों को गिरफ्तार भी कर रही है।

बिजली चोरों के खिलाफ अभियान की व्यपकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पिछले कुछ ही दिनों के भीतर 3800 किलोवॉट की बिजली चोरी पकड़ी है। बीआरपीएल ने 2341 किलोवॉट अऔर बीवाईपीएल ने 1460 किलोवॉट की चोरी पकड़ी है।

3800 किलोवॉट की बिजली करीब 1900 छोटे उपभोक्ताओं के बिजली लोड के बराबर है।

दरअसल, बिजली चोरों की वजह से ईमानदार उपभोक्ताओं तक निर्बाध और गुणवत्तायुक्त बिजली पहुंचने में बाधाएं आती हैं। अगर किसी इलाके के उपभोक्ताओं का वैध बिजली लोड 10 मेगावॉट है, तो बिजली कंपनियां संबंधित ट्रांसफॉर्मर पर 10 नहीं, बल्कि 15 मेगावॉट बिजली देती हैं, ताकि उपभोक्ताओं को बिना किसी रूकावट के बिजली मिलती रहे। लेकिन बिजली चोरों द्वारा दिन– रात किसी भी वक्त बड़े पैमाने पर बिजली की चोरी करने से अचानक ऑटोमैटिक ट्रिपिंग हो जाती है। इस वजह से ईमानदार उपभोक्ताओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ट्रिपिंग के ठीक होने के बाद ही बिजली की सुचारू आपूर्ति हो पाती है। बिजली बहाल होने के बाद, फिर अगर बिजली चोर अचानक कई मेगावॉट की बिजली चोरी करने लगें, तो फिर से ट्रिपिंग हो सकती है।

गौरतलब है कि गर्मियों में बिजली की चोरी बहुत ज्यादा बढ़ जाती है। क्योंकि, जो लोग बिजली चोरी कर रहे हैं, उन्हें एक की जगह तीन–चार एसी व अन्य भारी उपकरण चलाने में कुछ नहीं सोचना पड़ता।

इसलिए, बीएसईएस ने गर्मियों के तीन पीक महीनों में बिजली चोरों की धड़–पकड़ के लिए स्पेशल ड्राइव शुरू किया है, जिसके तहत किसी भी वक्त और कहीं भी छापेमारी की जाएगी।

जिन इलाकों पर इन तीन महीनों में फोकस रहेगा, वे हैंः

बीवाईपीएलः शाहदरा, नंद नगरी, करावल नगर, कल्याणपुरी, अशोक नगर, न्यू अशोक नगर, गाजीपुर गांव, त्रिलोकपुरी, रघुबरपुरा, गांधी नगर, दरियागंज, चूड़वालां, न्यूकसाबपुरा, पहाड़गंज।

बीआरपीएलः तिलकनगर, पालम, नांगलोई, जफ्फारपुर, बिंदापुर, मुनीरका, तिगड़ी, मेहरौली, हरकेश नगर, गोबिंदपुरी, जामिया नगर, संगम विहार।

बीएसईएस ने उपभोक्ताओं से अनुरोध किया है कि अगर उन्हें कहीं बिजली चोरी की जानकारी मिले, तो वे कृपया हेल्पलाइन नंबर 399 99 707– बीआरपीएल और 399 99 808– बीआरपीएल पर सूचित करें। याद रखें, बिजली चोरों की वजह से उन्हें निर्बाध आपूर्ति मिलने में दिक्कत आती है।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल व बीवाईपीएल अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।